आम के बौर को कीट एवं रोगों से बचाएं बागवान

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 22 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है। उन्होंने बताया कि यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्भरित होता है। डॉ सिंह ने बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं। तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं। फलतः मंजर (बौर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानो को सलाह दी है कि प्रति मंजर (बौर) 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया कि खरा रोग प्रबंधन के लिए मंजर (बौर) आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। उन्होंने सलाह दी है कि जब आम में पूरी तरह फल लग जाए तब इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जब तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है। तब इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है। डॉ खान ने बताया कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए आवश्यक है कि प्लेनोफिक्स 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया की आम में जब फल मटर के दाने के समान हो जाएं। तो बाग में सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिए तथा मिट्टी में नमी बरकरार रखना चाहिए। उसके पहले सिंचाई न करें अन्यथा फल झड़ जाते हैं।

डॉ. अनिल कुमार सिंह

आम की अच्छी फसल एवं उत्पादन में होगी बढ़ोत्तरी

सानी आदि मौजूद थे। जासं

दैनिक जागरण कानपुर 23/02/2022

आम के बौर को कीट व रोगों से बचाएं : डा. अनिल कुमार

कानपुर : सीएसए विवि के उद्यान वैज्ञानिक डा. अनिल कुमार सिंह ने बागवानी करने वालों को इस मौसम में आम के बौर को कीट व रोगों से बचाने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि फरवरी माह में ही आम में मंजर (बौर) आना शुरू होता है। यह आम की विभिन्न प्रजातियों व तापक्रम पर निर्धारित होता है। जब बौर आती है तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। ये कीट बौर से रस चूसते हैं और बौर झड़ जाता है। इससे आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बताया कि प्रति मंजर बौर में 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल एक मिलीलीटर दवा प्रति दो लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। खर्रा रोग प्रबंधन के लिए घुलनशील गंधक को दो ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। मीडिया प्रभारी डा. खलील खान ने बताया कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए प्लेनोफिक्स दवा एक मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जासं

अमर उजाला कानपुर 23/02/2022

आम के बौर को भुनगे से बचाएं

कानपुर। सीएसए के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने मंगलवार को आम की फसल के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि यूपी में आम में बौर फरवरी माह में आना शुरू हो जाता है। इस समय हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। ये भुनगे बौर से रस चूसते हैं जिससे बौर झड़ जाते हैं। ऐसे में इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति दो लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। पूरी तरह फल लगने पर खर्रा रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल एक मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए प्लेनोफिक्स एक मिली प्रति तीन लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। (संवाद)

वर्ष 16 अंक 53 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 23 फरवरी 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

अच्छी फसल एवं उत्पादन के लिये आम के बौर को कीट एवं रोगों से बचाएं बागवान, सीएसए ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है। उन्होंने बताया कि यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है। डॉ सिंह ने बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं। तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं। फलतः

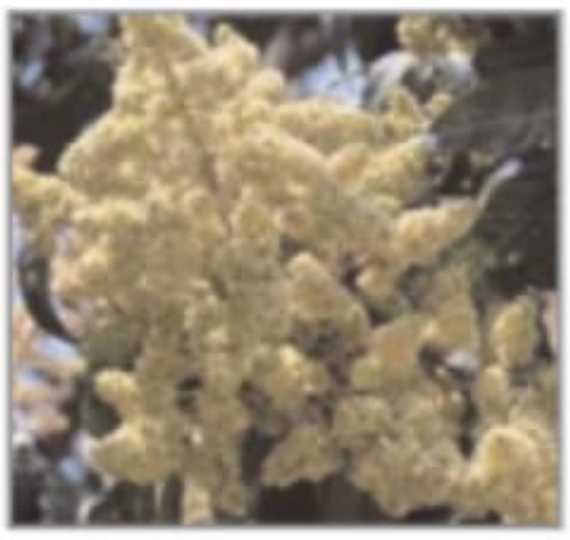

मंजर (बोर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानो को सलाह दी है कि प्रति मंजर (बोर) 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया कि खर्रा रोग प्रबंधन के लिए मंजर (बौर) आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। उन्होंने सलाह दी है कि जब आम में पूरी तरह फल लग जाए तब इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जब तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है। तब इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है। डॉक्टर खान ने बताया कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए आवश्यक है कि प्लेनोफिक्स 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया की आम में जब फल मटर के दाने के समान हो जाएं। तो बाग में सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिए। तथा मिट्टी में नमी बरकरार रखना चाहिए ।उसके पहले सिंचाई न करें अन्यथा फल झड़ जाते हैं।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:31 | देहरादून, मंगलवार , 22 फरवरी, 2022 | पृष्ठ:08

आम के बौर को कीट एवं रोगों से बचाएं बागवान: डॉ. अनिल

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है उन्होंने बताया कि यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है डॉ सिंह ने बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं फलतरू मंजर (बोर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है उन्होंने बागवानो को सलाह दी है कि प्रति मंजर (बोर) 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17. 8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें।

जनमतटुडे

City Office: 19 New Road, KSMR Plaza, Dehradun

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
संपादक–अंजली नयाल
के लिए अपना जनमत प्रिन्टर्स 9 न्यू सर्वे रोड देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित एवं **'जनमत टुडे'** कार्यालयः 115 पल्टन बाजार,

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • बुधवार • 23 फरवरी • 2022

आश्रय स्थलों पर कराएं हरे चारे का प्रबंध

नोडल अफसर व अपर आयुक्त आबकारी ने चार गोशालाओं का किया निरीक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

शिवली। जिले के नोडल अधिकारी व अपर आयुक्त आबकारी दिव्य प्रकाश ने मैथा ब्लॉक की चार गोशालाओं का मंगलवार को निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रय स्थल पर हरे चारे का प्रबंध करने के निर्देश दिए। वहीं जिम्मेदारों को लापरवाही करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

गोशाला का निरीक्षण करते नोडल अधिकारी दिव्य प्रकाश व अन्य। संवाद

रैपालपुर गोशाला में हरा चारा, पानी समेत भूसा उपलब्ध मिला। मांडा गांव के अस्थायी गोआश्रय स्थल में 22 मवेशी मौजूद मिले। उन्होंने प्रधान प्रतिनिधि मुकेश राठौर से आश्रय स्थल संचालन की जानकारी ली। हरा चारा, पानी, चोकर की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए कहा। पशु चिकित्सक पंकज कटियार से बीमार मवेशियों का समय से उपचार करने को कहा। सचिव प्रमिला अग्निहोत्री को चारे, पानी व सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने की बात कही। कान्हा गोशाला शिवली व रामपुर शिवली गांव में बने आश्रय स्थल का निरीक्षण किया।

सचिव विपिन त्रिपाठी से गोशाला संचालन की जानकारी ली। बीडीओ को प्रतिमाह आश्रय स्थलों का निरीक्षण करने के लिए कहा। मौके पर डीडीओ गोरखनाथ भट्ट, डीपीआरओ नम्रता शरण, एडीओ पंचायत बीरेंद्र कुमार पाल, संतोष पाल आदि मौजूद रहे।

उधर पुखरायां में मलासा ब्लॉक के जफराबाद गांव में बनी अस्थायी गोशाला का मंगलवार को नोडल अधिकारी दिव्य प्रकाश गिरि ने निरीक्षण किया। यहां व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं। कहा कि जिन गांवों में अस्थायी गोशाला नहीं बनी हैं, वे तत्काल बनवा लें। यहां प्रधान कुंवर सिंह, एडीओ पंचायत हरिओम सक्सेना, सचिव कंचन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तहसील परिसर में घूमते छुट्टा मवेशी

शिवली। मैथा तहसील परिसर मे छुट्टा मवेशी घूमते रहते हैं। इसे देखकर भी अधिकारी अनदेखा करते हैं। औनहा, सूरजपुर, शोभन गांव में किसान छुट्टा मवेशियों को सरकारी भवनों में बंदकर नाराजगी जता चुके हैं। एक तरफ इन मवेशियों के लिए अधिकारी आश्रय स्थल खोले की बात कहते हैं, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार इनसे निजात दिलाने पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसका असर है कि अब मैथा तहसील परिसर तक छुट्टा मवेशी डेरा जमाए रहते हैं। एडीओ पंचायत बीरेंद्र कुमार पाल ने बताया कि छुट्टा मवेशियों को पकड़कर गोशाला भेजा जाएगा। (संवाद)

in to edit and save changes to this file.

epaper देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश @janexpressnews

फैक्ट्री में धमाका, आग लगने से 6 महिलाएं... 12

अखिलेश तेरे चार यार, गुंडा, अपराधी, माफिया... 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 132
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

लखनऊ | बुधवार | 23 फरवरी, 2022

मणिपुर में लोगों के बीच पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी, बोले,

बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देश के क्रम में मंगलवार को विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी महीने में आना शुरू कर देता है।यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है। उन्होंने कहा कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं। जिससे मंजर (बोर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानो को सलाह दी कि यदि प्रति मंजर 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने इस रोग और उसके उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. खलील खान ने बताया कि जब तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है तब इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है।उन्होंने कहा कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए प्लेनोफिक्स 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने बताया की आम में जब फल मटर के दाने के समान हो जाएं। तो बाग में सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिए। उसके पहले सिंचाई न करें अन्यथा फल झड़ जाते हैं।